ब्लैक फंगस के उपचार के लिए 5 मेडिकल कॉलेजों में बनेंगे विशेष वार्ड

मुख्यमंत्री ने किया विशेषज्ञों और ग्रुप ऑफ़ ऑफिसर के साथ विचार-मंथन

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ब्लैक फंगस के प्रकरणों की जल्द पहचान के लिए संपूर्ण प्रदेश में तत्काल व्यापक स्तर पर अभियान चलाने की आवश्यकता है। प्रत्येक वार्ड और ग्रामस्तर पर ब्लैक फंगस के प्रकरणों की तत्काल पहचान के लिए आवश्यक रणनीति विकसित कर एडवाइजरी जारी की जाए। इससे ऐसे प्रकरणों में तत्काल उपचार सुनिश्चित किया जा सकेगा।

श्री चौहान ने ब्लैक फंगस के उपचार के लिए पाँच मेडिकल कॉलेज भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर और रीवा में विशेष वार्ड बनाने के निर्देश भी दिए हैं। श्री चौहान विशेषज्ञों और ग्रुप ऑफ़ ऑफिसर के साथ कोविड नियंत्रण व स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ीकरण के लिए भविष्य की कार्य योजनाओं पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर आयोजित विचार मंथन को निवास से संबोधित कर रहे थे। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोरोना के विरुद्ध अभियान जनता के सहयोग से संचालित किया गया। जिले से लेकर ग्राम स्तर तक आपदा प्रबंधन समूहों और अन्य माध्यमों से जनता के सहयोग से लड़ी गई कोविड के विरुद्ध लड़ाई में सफलता मिली है और प्रदेश में संक्रमण नियंत्रित हुआ है। इस दिशा में लम्बी लड़ाई बाकी है। राज्य सरकार हर स्तर पर अपनी रणनीति में सुधार के लिए सुझाव और चर्चा को आवश्यक मानती है। मध्यप्रदेश आदर्श रूप से कोविड नियंत्रण कर सके, इस उद्देश्य से ही विशेषज्ञों और अधिकारियों की यह बैठक बुलाई गई है।

श्री चौहान ने विशेषज्ञों और ग्रुप ऑफ़ ऑफिसर से कोविड-19 के प्रबंधन में समाज की सहभागिता बढ़ाने, कोविड नियंत्रण के लिए आवश्यक आदतों और व्यवहार को स्थाई रूप से जीवन का हिस्सा बनाने, निजी और शासकीय अस्पतालों के बेहतर प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, नागरिकों को स्वस्थ जीवन चर्या अपनाने के लिए प्रेरित करने, परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों के विस्तार और अन्य राज्यों तथा देशों की बेस्ट प्रैक्टिसेस तथा उनकी प्रदेश के लिए प्रासंगिकता के संबंध में सुझाव मांगे। इसके साथ ही पोस्ट कोविड केयर की प्रक्रिया, ब्लैक फंगस की स्थिति और बचाव, कोरोना की तीसरी वेव को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तैयारियों और कोरोना के बाद हमारा व्यवहार कैसा हो, इस संबंध में भी सुझाव आमंत्रित किए गए। अपर

मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने प्रदेश में कोविड-19 के प्रबंधन पर प्रस्तुतीकरण दिया। विचार मंथन में नीति आयोग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. के. मदन गोपाल, दिल्ली स्थित थिंक टैंक रिसर्च एण्ड इनफार्मेशन सिस्टम इन डव्हलेपमेंट कंट्रेरीज (आरआईएस) में डायरेक्टर जनरल तथा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में सदस्य प्रो. सचिन चतुर्वेदी, विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ. अभिषेक जैन, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल की सदस्य डॉ. ज्योत्सना श्रीवास्तव, यूनिसेफ की सुश्री वंदना भाटिया, डॉ. राहुल खरे, डॉ. निशांत खरे, एम्स भोपाल के डॉ. देवाशीष विश्वास, गांधी मेडिकल कॉलेज के डॉ. लोकेन्द्र दवे, डॉ. महेश माहेश्वरी, नेशनल अस्पताल के डॉ. पी.के. पाण्डे सम्मिलित हुए। चर्चा में अपर मुख्य सचिव सर्वश्री राजेश राजौरा, एस.एन. मिश्रा, मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव श्री मनोज गोविल, श्री नीरज मण्डलोई, श्री संजय दुबे, डॉ. पल्लवी जैन गोविल, श्री प्रतीक हजेला, सचिव श्री सुखवीर सिंह, आयुक्त जबलपुर श्री बी. चंद्रशेखर, आयुक्त इन्दौर श्री पवन शर्मा, कलेक्टर रीवा श्री टी. इल्लैयाराजा, कलेक्टर बुरहानपुर श्री प्रवीण सिंह अढायच ने अपने सुझाव रखे।

प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने कहा किभोपाल, इंदौर सहित जहाँ ज्यादा प्रकरण हैं, वहाँ विशेष रणनीति अपनानी होगी। समुदाय के प्रयासों को एक विशेष पोर्टल पर प्रस्तुत किया जाए। समुदाय को जोड़ने के प्रयासों का डाक्यूमेंटेशन हों। राज्य स्तर पर टेस्टिंग, ट्रेसिंग के साथ-साथ माइक्रो कंटेनमेंट एप्रोच अपनाना होगी। अर्थ-व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए प्रयास करना आवश्यक है। डिजिलट डाटा फॉर हेल्थ, ई.संजीवनी और आयुष्मान भारत को समन्वित कर आगामी रणनीति विकसित की जाए। निजी, शासकीय अस्पतालों और इंश्योरेंस कम्पनियों के मध्य बेहतर समन्वय हो। आयुष किट, काढ़ा, भाप के उपयोग के साथ आयुष के अनुशासन के पालन की भी आवश्यकता होगी। ग्रामीण क्षेत्र में टेस्टिंग बढ़ाने के लिए रूरल हेल्थ वर्कर्स की भर्ती हो। वैक्सीन के मूल्य के लिए राज्य मिलकर नेगोसिएशन करें। रिजर्व बैंक के साथ बात कर 50 करोड़ के पैकेज का लाभ लेते हुए ऑक्सीजन यूनिट लगाने के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाए। स्वस्थ मध्यप्रदेश से ही आर्थिक रूप से समृद्ध मध्यप्रदेश का निर्माण संभव है, अत- दवाओं व ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयों की स्थापना के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाए।

डॉ. के. मदन गोपाल ने सुझाव दिये किफ्रंट लाईन वर्कर्स के उत्साह और मनोबल को बनाए रखना आवश्यक होगा। जन-भागीदारी और जन-सहयोग से ही रणनीति क्रियान्वित की जाए। मंदसौर, उमरिया, दमोह और निकटवर्ती राज्यों से लगे जिलों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कम संख्या वाले जिलों में भी सावधानी रखें। टेस्ट करते रहें। एम्स, आईसीएमआर, नीति आयोग का एक ही हेल्थ प्रोटोकॉल आए, अलग-अलग नहीं। मेडिकल कॉलेजों से अस्पतालों को जो?ा जाए। मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के मेंटर की भूमिका पर आए। कोमोर्बेडिटी पर विशेष ध्यान रखा जाए। मौतें कैसे रोकें इसके लिए समीक्षा की सही व्यवस्था हो। ट्रेसिंग और अन्य नॉन मेडिकल कार्यों में स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाए।

डॉ. अभिषेक जैन, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सुझाव दियेकिबच्चों की बीमारी के प्रकरणों के लिए डेडिकेटेड कॉल नंबर हो। टीकाकरण में शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाए। ब्लैक फंगस को रोकने के लिए गाइडलाइन बनाना आवश्यक है। आशा, आँगनवा?ी कार्यकर्ता का क्षमता विकास आवश्यक किया जाए। डॉ. ज्योत्सना श्रीवास्तव ने सुझाव दियेकि16 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों के टीकाकरण की व्यवस्था हो, 5 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों के इलाज के लिए टेलि-कम्युनिकेशन सुविधा को सुदृ? किया जाए। ब्लैक फंगस के नियंत्रण के लिए इंफेक्शन और साफ-सफाई पर अस्पताल के कर्मचारियों को विशेष जागरूक करने की आवश्यकता है।

डॉ. वंदना, यूनिसेफ ने कहा कि ड्राइव इन वैक्सीनेशन की सुविधा का विस्तार जरूरी है। जिन बच्चों के माता-पिता दोनों का देहांत हो गया है, उन्हें तुरंत सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए महिला बाल विकास विभाग के साथ मिलकर प्रभावी रणनीति बनाई जाये। ट्राइबल माइग्रेंड के टीकाकरण और उनके होम आयसोलेशन के लिए व्यवस्था बनाना भी आवश्यक है। कार्यालय, अस्पताल, रहवासी संघों तथा अन्य भीड़ भरे स्थानों में मास्क व परस्पर दूरी बनाए रखने के लिए विशेष गतिविधियां चलाना जरूरी है। **डॉ. राहुल खरे** ने कहा कि थर्ड वेव को देखते हुए बच्चों की दवाई की व्यवस्था की जाए। होम आयसोलेशन में रह रहे लोगों को ब्लैक फंगस से बचाने के उपाय और इलाज की व्यवस्था करना आवश्यक है।

डॉ. महेश माहेश्वरी ने सुझाव दियेकिग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने की तरफ ध्यान देना जरूरी है। रोगों की तत्काल पहचान कर उपचार व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। छोटे अस्पतालों से सही जगहों पर रैफर करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था विकसित करना आवश्यक। डेथ ऑडिट की व्यवस्था हो। **डॉ. लोकेंद्र दवे** ने सुझाव दियेकिकम आयु समूह में ट्रायल के रूप में टीकाकरण की शुरूआत हो। धीरे-धीरे इसे बढ़ाया जाए। नर्सिंग होम अपने कार्यों का इनफॉरमल ऑडिट करें, इससे आगे की चुनौतियों के लिए अपने आप को तैयार करने में मदद मिलेगी। पोस्ट कोविड रिहबिलिटेशन के लिए मनोवैज्ञानिक सहित कार्डियेक व रैसपिरेटरी चिकित्सकों को सम्मिलित कर मरीजों की निगरानी व मार्गदर्शन आवश्यक है। **डॉ. देवाशीष विश्वास** ने कहा किस्टेराइड उपयोग का ऑडिट हो। इससे ब्लैक फंगस को रोकने में मदद मिलेगी। होम आयसोलेशन पेशेंट के परिवारों का रैपिड एंटीजन टेस्ट करें।

अपर मुख्य सचिव **एस.एन. मिश्रा** ने कहा किअव्यक्त आशंका से निपटने के लिए सकारात्मक वातावरण बनाना आवश्यक है। संक्रमण से बचाव के लिए स्कूल पाठ्यक्रम में आवश्यक सामग्री सम्मिलित की जाए। अपर मुख्य सचिव **राजेश राजौरा** ने सुझाव दियेकिस्टेट रैपिड रिस्पांस टीम का गठन हो, जिसमें तकनीकी रूप से दक्ष व्यक्ति भी सम्मिलित हों। प्रमुख सचिव **मनोज गोविल** ने कहा किस्वास्थ्य विभाग की अगले दो-तीन साल की आवश्यकता के अनुसार मानव संसाधन और सामग्री आदि की प्लानिंग कर क्रियान्वयन हो। समस्त शासकीय कर्मियों का मनोबल बनाए रखने के लिए कदम उठाना होंगे। शासकीय कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना का क्रियान्वयन किया जाए।

प्रमुख सचिव **संजय दुबे** ने सुझाव दिये किस्वास्थ्य क्षेत्र में संस्थागत सुदृढ़ीकरण के प्रयास हो। अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रबंधन और इलाज को पृथक रखा जाए। नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान बड़े अस्पतालों से जोड़ें। बीमारी से बचाव के लिये अधिक ध्यान की आवश्यकता है। वेलनेस का इंडेक्स बनाया जाए। ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल और डॉक्टरों की योग्यता और सुलभता के आधार पर अस्पतालों की इंडेक्सिंग हो। प्रमुख सचिव **श्रीमती पल्लवी जैन गोविल** ने सुझाव दिये किलोक स्वास्थ्य प्रबंधन का पृथक कैडर हो। स्वास्थ्य नियामक आयोग का गठन हो। फैक्ट्री से मरीज तक दवाओं की ट्रेकिंग की व्यवस्था हो। सचिव **सुखबीर सिंह** ने कहा कि रोगों से बचाव के लिए राशन के साथ-साथ विटामिन की गोलियों का वितरण किया जाए।

संभागायुक्त इंदौर **पवन शर्मा** ने सुझाव दिये कि जिन गतिविधियों में मास्क हटाना आवश्यक है, जैसे रेस्टोरेंट आदि पहले बंद हों। जो डॉक्टर प्रशासनिक या प्रबंधकीय कार्यों में लगे हैं, उन्हें इलाज के कार्यों में लगाया जाए। विदेश में पड़कर आए लगभग 8 से 10 हजार डॉक्टरों के एग्जिट एग्जाम नहीं हुए हैं। इस कारण वे देश में सेवाएँ नहीं दे पा रहे हैं। एम.सी.आई. से निवेदन कर एग्जिट एग्जाम करवाकर इन डॉक्टरों की सेवाएँ ली जाना चाहिए। संभागायुक्त जबलपुर **चंद्रशेखर ने कहा** कि कोराना इलाज के लिए संभावित चेक लिस्ट विकसित कर उपलब्ध कराई जा सकती है। **प्रवीण सिंह अढायच,** कलेक्टर बुरहानपुर ने कहा कि टीकाकरण और कोविड एप्रोप्रिएट व्यवहार के लिए ग्राम, नगरीय निकाय स्तर पर प्रतियोगी वातावरण निर्मित किया जाए। इस आधार पर विकास कार्यों के लिए छूट हो।

खास-खबर

मुख्यमंत्री ने पीपल का पौधा लगाया

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मुख्यमंत्री निवास परिसर में पीपल का पौधा लगाया। श्री चौहान प्रतिदिन अपने संकल्प के तहत एक पौधा लगाते हैं। पीपल एक छायादार वृक्ष है। पर्यावरण शुद्ध करता है। इसका धार्मिक और आयुर्वेदिक महत्व भी है। इसके अलावा पीपल के पेड़ को अक्षय वृक्ष भी कहा जाता है, क्योंकि ये पेड़ कभी भी पत्ते विहीन नहीं होता। मतलब इसमें एकसाथ पतझड़ नहीं होती। पत्ते झड़ते रहते हैं और नए आते रहते हैं। पीपल के वृक्ष की इस खूबी के कारण इसे जीवन-मृत्यु चक्र का घोतक बताया गया है।

शहीद सुखदेव के चित्र पर माल्यार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शहीद सुखदेव जी की जयंती पर आज निवास में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। शहीद सुखदेव भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रांतिकारी थे। इनका जन्म 15 मई 1907 को लुधियाना में हुआ था। उन्हें भगत सिंह और राजगुरू के साथ 23 मार्च 1931 को फांसी दी गई थी। उनके बलिदान को आज भी सम्पूर्ण भारत में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।

अंतर्राज्जीय बस परिवहन सेवा 23 मई तक स्थगित

भोपाल। राज्य शासन ने कोरोना वायरस के संक्रमण पर प्रभावी रोकथाम के लिए लोकहित में मध्यप्रदेश में उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और छत्तीसग? राज्य से आने तथा जाने वाले बस परिवहन संचालन को पूर्व में 15 मई तक स्थगित किया था। सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकारी एवं अपर परिवहन आयुक्त ने बताया कि उक्त राज्यों से आने तथा जाने वाले बस परिवहन संचालन को स्थगित करने की अवधि बढ़ाकर 23 मई, 2021 कर दी गई है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गये हैं।

कोरोना के संक्रमण की चेन तोड़ने मास्क का उपयोग करें: डॉ. मिश्रा

दस बिस्तरीय ऑक्सीजन वार्ड और आइसोलेशन वार्ड का लोकार्पण

भोपाल (काप्र)।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने लोगों से कोरोना की चेन को तोड़ने के लिए कोरोना गाइड लाइन का पालन करने और वैक्सीनेशन कराने का आह्वान किया। डॉ. मिश्रा दतिया जिले के बसई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 10 बिस्तरीय वार्ड के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बसई में आइसोलेशन वार्ड का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश में कोरोना को नियंत्रित करने के लिए नियमित रूप से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दे रहे हैं, जिसका सभी को पालन करना चाहिए।

डॉ. मिश्रा ने बसई छात्रावास में बनाये गए कोविड केयर सेंटर (आईसोलेशन) को शुरू कर अवलोकन किया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बसई में ऑक्सीजन वार्ड के प्रारंभ हो जाने से मरीजों को उपचार के लिए परेशान नहीं होना प?ेगा। अब मरीजों को आसानी से ऑक्सीजन की सुविधा मिल सकेंगी, वे शीघ्र स्वस्थ्य होकर अपने घर वापस जा सकेंगे। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि कोरोना के संक्रमित मरीजों के उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डॉ. मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक आयु के 89 लाख 60 हजार लोगों को कोविड की वैक्सीन लग चुकी है। टीका लगाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। उन्होंने 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों से आग्रह किया कि स्लाट बुक कर टीकाकरण अवश्य करायें।

डॉ. मिश्रा ने लोगों से अपील की कि कोरोना के संक्रमण की चेन तो?ने सभी लोग मास्क का उपयोग करें, सेनेटाईजेशन करें और कोविड गाईड लाईन का पूर्ण रूप से पालन करें। आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें।

इस दौरान कलेक्टर श्री संजय कुमार ने कोरोना के संक्रमण की चेन तो?ने के लिए जिले में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में कोरोना संक्रमण के प्रकरणों में कमी आ रही है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. आशाराम अहिरवार, श्री सुरेन्द्र बुधौलिया , श्रीमती सावित्री सूत्रकार, सरपंच नेहा आदिवासी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.बी. कुरेले सहित अन्य चिकित्सक, जन-प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

ग्रामीणों द्वारा बनाई गई जनता कर्फ्यू की व्यवस्था का मंत्रियों ने पालन किया

गाँव में बैरिकेटिंग के बाहर से ही ग्रामीणों से चर्चा कर कोरोना के संबंध में ली जानकारी

भोपाल (काप्र)।

इंदौर जिले में कोरोना से निपटने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। चाहे शासन हो, प्रशासन हो, जन-प्रतिनिधि हो या ग्रामीण जन सभी अपनी-अपनी तरह से प्रयास कर रहे हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार देखने को मिल रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों आम-जन कोरोना को परास्त करने के लिए एकजुट होकर जनता कर्फ्यू का सख्ती से पालन करा रहे हैं।

इंदौर जिले के प्रभारी तथा जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट और पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर के महू क्षेत्र के भ्रमण के दौरान ऐसा ही एक उदाहरण आज महू विकासखंड के ग्राम मलेंडी में दिखाई दिया। जहाँ ग्रामीणजनों ने जनता कर्फ्यू के दौरान आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए गाँव की सीमा में स्थानीय संसाधनों से बैरिकेटिंग की व्यवस्था की, यहाँ से बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश पूर्णता प्रतिबंधित किया। यहाँ पहुँचे। मंत्री श्री सिलावट तथा सुश्री ठाकुर, कलेक्टर श्री मनीष सिंह ने भी ग्रामीणों की इस व्यवस्था का

पालन किया। ग्रामीणों से गाँव के बाहर ही बात की और उनके प्रयासों की सराहना की।

भ्रमण के दौरान मंत्री श्री सिलावट तथा सुश्री ठाकुर ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वह कोरोना से घबराए नहीं सजग और सावधान रहें। लक्षण दिखाई देते ही तुरंत जाँच कराएँ। पॉजिटिव आने पर आइसोलेशन में रहें। जिनके घरों में रहने की व्यवस्था है, पर्याप्त कमरे हैं वह घरों में ही आइसोलेशन में रहें। इधर-उधर नहीं घूमें। जिन ग्रामीणों के घर में जगह नहीं है और वह पॉजिटिव हैं, तो वह कोविड केयर सेंटर में जाकर आइसोलेट रह सकते हैं। उन्होंने बताया कि हर पंचायत स्तर पर कोविड केयर सेंटर की स्थापना की गई है। यहाँ पर भोजन, नाश्ता, चाय, कूलर साफ-सफाई आदि की समुचित व्यवस्था है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे इन सेंटरों का लाभ लें। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें अस्पतालों में भी भर्ती कराया जाएगा और समुचित उपचार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मरीजों को घर-घर जाकर चिन्हित किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया है कि वे पूरा सहयोग करें। गाँवों को कोरोना मुक्त करने का अभियान ग्रामीणों के हित के लिए ही चलाया जा रहा है।

खास-खबर

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने साँची चिकित्सालय में सेन्ट्रलाइज ऑक्सीजन सिस्टम और सर्व-सुविधायुक्त एम्बुलेंस का किया लोकार्पण

सलामतपुर आरोग्यम स्वास्थ्य केन्द्र और फीवर क्लीनिक का निरीक्षण

भोपाल (काप्र)।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने साँची चिकित्सालय में 10 बेड की क्षमता वाले सेंटर में सेन्ट्रलाइज ऑक्सीजन सिस्टम का शुभारंभ कर सर्व-सुविधायुक्त एम्बुलेंस का लोकार्पण भी किया।

डॉ. चौधरी ने साँची चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान कहा कि इस नवीन सर्व-सुविधायुक्त एम्बुलेंस के मिल जाने से क्षेत्र के मरीजों को त्वरित रूप से स्वास्थ्य सेवायें मिल सकेगीं। चिकित्सालय में सेन्ट्रलाइज ऑक्सीजन सिस्टम होने से मरीजों के उपचार में कोई परेशानी नहीं आयेगी।

डॉ. चौधरी ने साँची चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान संक्रमित मरीजों की संख्या और उनके उपचार के संबंध में सीएमएचओ से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि कोरोना संदिग्ध तथा संक्रमित मरीजों का शीघ्र उपचार प्रारंभ किया जाये, जिससे वे जल्द से जल्द स्वस्थ हों सकें। मंत्री डॉ. चौधरी ने होम आइसोलेट कोरोना संक्रमित मरीजों एवं किल कोराना-3 अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने सलामतपुर स्थित आरोग्यम स्वास्थ्य केन्द्र और फीवर क्लीनिक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री डॉ. चौधरी ने मरीजों की जाँच, उपचार और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों के लिये दवाओं की उपलब्धता और उनका समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी की उपस्थिति में दावत राईस मिल मण्डीदीप द्वारा साँची चिकित्सालय के लिए 10 लीटर के 5 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर प्रदान किये गये।